अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

तेरापंथ दर्शन (वर्ष : 2025) दिनांक : 17.12.2025

समय सीमा : 3 घंटा चतुर्थ वर्ष : प्रथम प्रश्न पत्र पूर्णांक : 100

आचार्य कालूगणी–35

प्र. 1 किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दीजिए– 5

(क) मुनि कालू के जीवन निर्माता के रूप में दूसरा नाम किसका आता है?

(ख) मघवागणी ने कौन सी भाषा को जैन आगमों की कुंजी बताया?

(ग) कालु कौमुदी को सर्वप्रथम कण्ठस्थ करने वाले तथा उसका पूर्ण पारायण करने वाले मुनि कौन थे?

(घ) मालव की ऐतिहासिक यात्रा में कालूगणी को कितना समय लगा?

(ड़) कालूगणी ने अपने पैर कमजोर होने का कारण क्या बताया?

(च) युवाचार्य नियुक्ति के समय कालूगणी के मन में किस बात की चिन्ता थी?

(छ) मुनि छत्रमलजी की खट्टी डकारों के लिए कालूगणी ने क्या उपचार बताया?

प्र. 2 किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर एक या दो वाक्य में दीजिए– 10

(क) बालक कालू की जन्मपत्री देखकर ज्योतिषी ने क्या फलादेश बतलाया?

(ख) माता छोगांजी के द्वारा सिफारिश करने पर कालूगणी ने क्या फरमाया?

(ग) कालूगणी ने हंसने के स्वभाव को बदलने के लिए बाल मुनियों को कौन सा सोरठा सिखाया?

(घ) छापर चातुर्मास में साध्वीप्रमुखा कानकंवरजी की प्रार्थना पर कालूगणी ने बाल साध्वियों को क्या प्रतिज्ञाएं करवाई?

(ड़) पण्डित रघुनन्दनजी ने कालूगणी को प्रायश्चित्त रूवरूप क्या दिया?

प्र. 3 कोई एक प्रश्न का उत्तर 100 से 150 शब्दों में दीजिए– 6

(क) मघवागणी का वरदहस्त मुनि कालू को सदैव प्राप्त रहा। सिद्ध करें।

(ख) कालूगणी की वचन सिद्धि से संबंधित दो घटनाओं का वर्णन करें।

(ग) सिद्ध करें–कालूगणी पुस्तकों की सुरक्षा के प्रति विशेष जागरूक थे।

प्र. 4 सिद्ध करें–तेरापंथ धर्मसंघ में संस्कृत विद्या को वटवृक्ष की भांति शतशाखी बनाने का श्रेय एकमात्र कालूगणी को ही दिया जा सकता है। 14

अथवा

आचार्य कालूगणी की हरियाणा यात्रा का वर्णन करें।

प्र. 5 किन्हीं नौ प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दीजिए– 9

(क) ग्यारह वर्षीय बाल मुनि ने प्रथम विहार कहां से कहां तक कितने किलोमीटर का किया?

(ख) पूज्य कालूगणी की उपस्थिति में मुनि तुलसी कौन से समय व्याख्यान देते थे?

(ग) श्रावक समाज के लिए आचार्य श्री तुलसी ने कौन सा ग्रंथ लिखा?

(घ) हिन्दी ग्रंथ साहित्य में आचार्य श्री तुलसी की सर्वोत्तम कृति कौन सी है?

(ड़) धर्म के दो रूप कौन से हैं?

(च) मण्डनात्मक नीति का स्वरूप लिखें।

(छ) प्रारंभ में अणुव्रत के नियमों की संख्या कितनी थी? परिष्कार होते-होते वह संख्या कितनी रह गई?

(ज) मनोवैज्ञानिकों के अनुसार माइण्ड के तीन रूप कौन से हैं?

(झ) सन् 1949 के जयपुर चातुर्मास में आचार्य श्री तुलसी ने कौन सा उद्घोष दिया?

(ञ) लन्दन के विश्व धर्म सम्मेलन में आचार्य श्री तुलसी द्वारा प्रेषित आलेख का शीर्षक क्या था?

प्र. 6 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर एक या दो वाक्यों में दीजिए– 5

(क) महान समाज सुधारक आचार्य श्री तुलसी के प्रयत्नों से मुख्य रूप से किन परम्पराओं में बदलाव आया?

(ख) आचार्य श्री तुलसी की संस्कृत भाषा में तीन महत्त्वपूर्ण पुस्तकों के नाम तथा विषय लिखें।

(ग) जैन विश्व भारती के बहुआयामी विकास के सात सकारों के नाम लिखें।

प्र. 7 किसी एक प्रश्न का उत्तर 100 से 150 शब्दों में दीजिए– 6

(क) 'अमर रहेगा धर्म हमारा' उद्घोष से संबंधित घटना का उल्लेख करें।

(ख) आचार्य श्री तुलसी द्वारा प्रदत्त धर्मक्रान्ति के पांच प्रभावी सूत्रों पर प्रकाश डालें।

(ग) सिद्ध करें–आचार्य श्री तुलसी संगीत के जादूगर थे।

प्र. 8 सिद्ध करें–आचार्य श्री तुलसी एक महान स्वप्नद्रष्टा थे। 15

अथवा

आचार्य श्री तुलसी को अछूतों का मसीहा क्यों कहा जाता है?

तुलसी प्रबोध–21

प्र. 9 किन्हीं दो पद्यों की सप्रसंग व्याख्या करें– 12

(क) बेटा! अन्नदाता आपां.....तारणहार हो।

(ख) कालू-युग.....सजगता सार हो।

(ग) प्रथम-प्रथम.....इकरार हो।

(घ) सरस्वती रो.....साहित्यकार हो।

प्र. 10 किन्हीं तीन पद्यों को लिखें– 9

(क) अभिनव चतुर्निकाय.....अजमार हो।

(ख) बौद्धां री.....हार हो।

(ग) स्वागत री.....एकाकार हो।

(घ) एक बार.....उपसंहार हो।

(ड़) श्रुत आराधन.....हुंशियार हो।

तेरापंथ प्रबांध–9

प्र. 11 कोई तीन पद्य लिखें– 9

(क) नियति योग.....भारी भार हो।

(ख) एक और.....बेकार हो।

(ग) 'भादूड़ी तेरस आई है' गीत वाला पद्य।

(घ) 'जय हो मघवा गणिवर री' गीत वाला पद्य।

(ड़) 'हमारे भाग्य बड़े बलवान' गीत वाला पद्य।